

B.A. 3rd Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)

Subject : Sanskrit

Course : CC-VI

Time: 3 Hours

Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

*Candidates are required to give their answer in their own words
as far as practicable.*

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांश्चिद् दशप्रश्नानामुत्तरं सरलसंस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च प्रदेयम्। 2×10=20
निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর সরল সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে।
- (a) “काव्यं ग्राह्यमलंकारात्” इत्यत्र अलंकारपदस्य कोऽर्थः?
“काव्यं ग्राह्यमलंकारात्” এখানে অলংকার পদের অর্থ কী?
- (b) आचार्यवामनमते काव्यस्य प्रयोजनं किम्?
আচার্য বামনের মতে কাব্যের প্রয়োজন কী?
- (c) आचार्यवामनोक्तकवयोर्मध्ये कः श्रेष्ठः?
আচার্য বামনোক্ত কবিদ্বয়ের মধ্যে কে শ্রেষ্ঠ?
- (d) “लोको विद्या प्रकीर्णं च काव्याङ्गानि” — इत्यत्र लोको नाम किम्?
“लोको विद्या प्रकीर्णं च काव्याङ्गानि”— এখানে লোক কথার অর্থ কী?
- (e) वृत्तगन्धि किम्?
বৃত্তগন্ধি কী?
- (f) पद्यस्य लक्षणं किम्? पद्यं कतिविधम्?
পদ্যের লক্ষণ কী? পদ্য কয় প্রকার?
- (g) रेखाधिः मगणस्य जगणस्य च संकेतः प्रदर्शनीयः।
রেখাঙ্কিত করে ম-গণ ও জ-গণের সংকেত প্রদর্শন করো।
- (h) गुरुस्वराः के?
গুরুস্বর কোনগুলি?
- (i) वृत्तछन्दः किम्?
বৃত্তছন্দ বলতে কী বোঝো?
- (j) उपजातेः लक्षणं किम्?
উপজাতি ছন্দের লক্ষণ কী?

- (k) “मन्दाक्रान्ताम्बुधिरसनगैर्मौ भनौ तौ गयुग्मम्” — अत्र “अम्बुधिरसनगैः” इति पदस्य अर्थः कः?
 “मन्दाक्रान्ताम्बुधिरसनगैर्मौ भनौ तौ गयुग्मम्”— एतान् “अम्बुधिरसनगैः” पदस्य अर्थः की?

(l) अतिशयोक्तेः लक्षणं किम्?

अतिशयोक्ति अलंकारस्य लक्षणं की?

- (m) “भवेत्सम्भावनोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य परात्मना” — इत्यत्र प्रकृतस्य परात्मना चेति पदयोः अर्थः कः?
 “भवेत्सम्भावनोत्प्रेक्षा प्रकृतस्य परात्मना” — एतान् ‘प्रकृतस्य’ एवं ‘परात्मना’ पदद्वयस्य अर्थः की?

(n) श्लेषालंकारः कतिविधः? के च ते?

श्लेष अलंकारस्य कति प्रकाराः? के च ते?

(o) रूपकालंकारस्य लक्षणं किम्?

रूपकालंकारस्य लक्षणं की?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु केषांश्चिद् चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। तेषु प्रश्नद्वयस्योत्तरं सरलसंस्कृतभाषया लेखनीयम्।

5×4=20

निम्नलिखित प्रश्नशुनिलस्य मध्ये ये कोनो चारुटि प्रश्नस्य उत्तरं दिते हवे। तार मध्ये ये कोनो दुटि प्रश्नस्य उत्तरं सरल संस्कृत भाषाय लिखते हवे।

- (a) व्याख्यायताम् — “न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्”।
 व्याख्या करो — “न शास्त्रमद्रव्येष्वर्थवत्”।
- (b) व्याख्यायताम् — “कवित्वबीजं प्रतिभानम्”।
 व्याख्या करो — “कवित्वबीजं प्रतिभानम्”।
- (c) कस्यचिदेकस्य छन्दसः लक्षणं सोदाहरणं व्याख्येयम्।
 ये कोनो एकटि छन्दसस्य लक्षणं सोदाहरणं व्याख्या करो।
 मालिनी, वसन्ततिलकम्
- (d) गणविभागपुरस्सरं छन्दोनिर्णयं कुरु।
 गणविभागं करो छन्दोनिर्णयं करो।
 अर्थो हि कन्या परकीय एव
 तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः
 जातो ममायं विशदः प्रकामं
 प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥
- (e) दृष्टान्तनिदर्शनयोः भेदाभेदौ निरूपय।
 दृष्टान्तं च निदर्शनं अलंकारस्य भेदं च अलंकारं निरूपणं करो।

- (f) अलंकारो निर्णयिताम्
अलंकार निर्णय करो।
आहवे जगदुद्दण्ड राजमण्डलराहवे।
श्रीनृसिंहमहीपाल स्वस्त्यस्तु तव बाहवे।।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु कयोश्चिद् द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं प्रदेयम्।

10×2=20

निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে যে কোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

- (a) “रीतिरात्मा काव्यस्य”— इत्यस्य तात्पर्यं निरूप्यताम्।
“रीतिरात्मा काव्यस्य”— सूत्रটির তাৎপর্য নিরূপণ करो।
- (b) “लोको विद्या प्रकीर्णं च काव्याङ्गानि” — इत्यत्र विद्याः काः? तासां विद्यानां काव्याङ्गत्वं प्रतिपाद्यताम्।
“लोको विद्या प्रकीर्णं च काव्याङ्गानि” — एখানে বিদ্যাসমূহ কী কী? বিদ্যাসমূহের কাব্যঙ্গত্ব প্রতিপাদন करो।
- (c) उपेन्द्रवज्रा वंशस्थविलं चेति छन्दसोः लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।
উপেন্দ্রবজ্রা ও বংশস্থবিল ছন্দের লক্ষণ উদাহরণসহ আলোচনা करो।
- (d) उपमार्थान्तरन्यासयोः अलंकारयोः लक्षणं सोदाहरणमालोच्यताम्।
উপমা ও অর্থান্তরন্যাস অলংকারের লক্ষণ উদাহরণসহ আলোচনা करो।